क्लाइमोग्राफ
Climograph

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक भूगोल,
राजा सिंह कॉलेज सिवान

किसी स्थान के औसत मासिक आर्द्र बल्ब तापमान (Wet bulb temperature) एवं आपेक्षिक आर्द्रता (Relative humidity) के आंकड़ों को ग्राफ पेपर पर एक दूसरे के सामने अंकित करके बनाए गए आलेख को उस स्थान का **क्लाइमोग्राफ** कहते हैं । इस आलेख की आकृति एवं ग्राफ पेपर पर बनाए गए चौखटे में आलेख की स्थिति को देखकर उस स्थान की जलवायु संबंधी सामान्य दशाओं का सहज बोध हो जाता है । बीसवीं शताब्दी के प्रथम चरण में **ग्रिफिथ टेलर** नामक प्रसिद्ध भूगोलवेत्ता ने मानव की शारीरिक क्रियाओं पर तापमान व आपेक्षिक आर्द्रता का प्रभाव प्रकट करने के लिए पहली बार ऐसे आलेख बनाए थे तथा उसने उन्हें क्लाइमोग्राफ नाम से संबोधित किया था ।

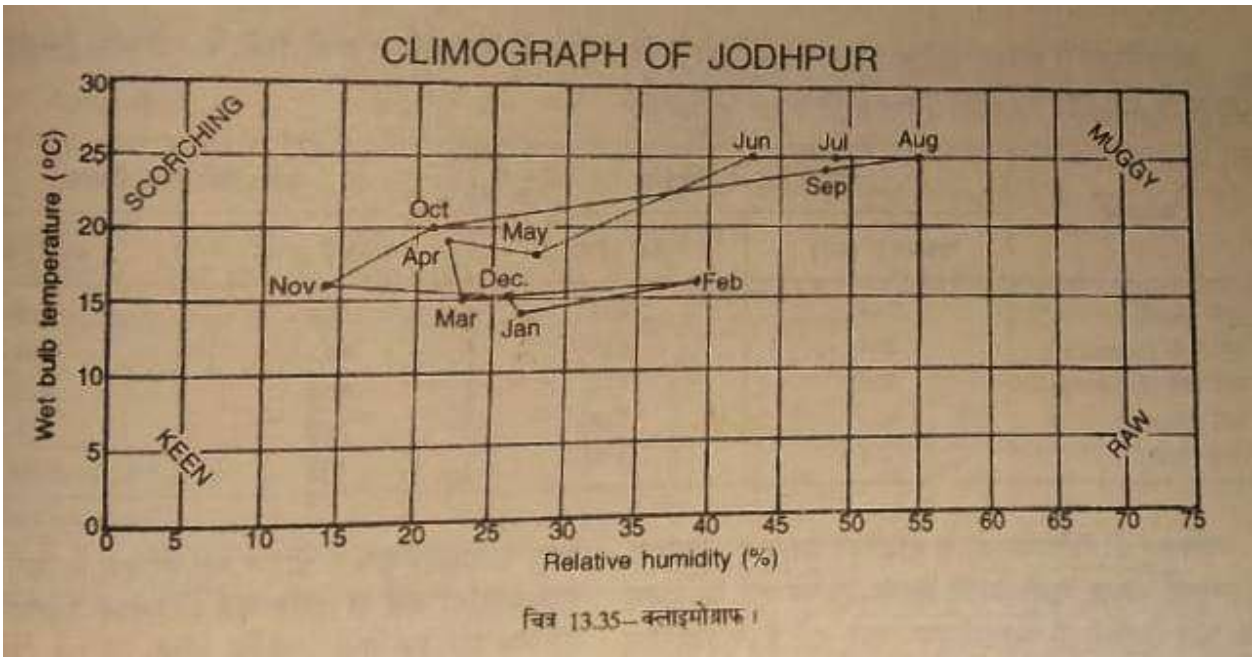

चित्र 13.35– क्लाइमोग्राफ ।

चित्र स्रोत: प्रायोगिक भूगोल, रस्तोगी प्रकाशन, जे० पी० शर्मा

किसी स्थान का क्लाइमोग्राफ बनाने के लिए सर्वप्रथम ग्राफ पेपर पर क्षैतिज एवं ऊर्ध्वाधर अक्ष खींचे जाते हैं । क्षैतिज अक्ष पर आपेक्षिक आर्द्रता तथा ऊर्ध्वाधर अक्ष पर आर्द्र बल्ब तापमान की मापनी बनाने के पश्चात ग्राफ पेपर पर जनवरी, फरवरी, मार्च आदि महीनों के 12 बिंदु इस प्रकार अंकित किए जाते हैं कि प्रत्येक बिंदु की क्षैतिज व ऊर्ध्वाधर अक्षों से लंबवत दूरियां किसी एक महीने के क्रमशः औसत मासिक आपेक्षिक आद्रता को प्रकट करे । किसी बिंदु को अंकित करने के तुरंत बाद उस पर संबंधित

महीने का नाम लिख देना चाहिए जिससे बिंदुओं को पहचानने में कोई भूल ना हो । इसके पश्चात इन बिंदुओं को महीनों के क्रमानुसार मिलाकर 12 सरल रेखाओं वाला बंद आलेख खींच देते हैं ।

चूँकि टेलर के द्वारा बनाए गए क्लाइमोग्राफ का मूल उद्देश्य उष्णकटिबंधीय प्रदेशों में यूरोप वासियों के निवास की संभावनाओं व सीमाओं को इंगित करना था । अतः उसने इन क्लाइमोग्राफों के उत्तर-पूर्वी, दक्षिण-पूर्वी, दक्षिण-पश्चिमी व उत्तर-पश्चिमी कोनों में क्रमशः MUGGY, RAW, KEEN तथा SCORCHING शब्द लिखकर जलवायु की सामान्य दशाओं को प्रकट किया था । इन शब्दों के अर्थ निम्नलिखित हैं:

MUGGY: *उष्ण व आर्द्र जलवायु (आर्द्र-बल्ब तापमान 15°C से अधिक व आपेक्षिक आर्द्रता 70% से अधिक)*
RAW: *ठंडी व आर्द्र जलवायु (आर्द्र-बल्ब तापमान 4°C से कम व आपेक्षिक आर्द्रता 70% से अधिक)*
KEEN: *ठंडी व शुष्क जलवायु (आर्द्र-बल्ब तापमान 4°C से कम व आपेक्षिक आर्द्रता 40% से कम)*
SCORCHING: *उष्ण व शुष्क जलवायु (आर्द्र-बल्ब तापमान 15°C से अधिक व आपेक्षिक आर्द्रता 40% से कम)*

इस प्रकार ग्राफ पेपर पर बनाए गए चौखटे में क्लाइमोग्राफ की स्थिति देखने मात्र से ही किसी स्थान की जलवायु के लक्षणों का सामान्य ज्ञान प्राप्त हो जाता है । जैसे यदि किसी स्थान के क्लाइमोग्राफ की स्थिति उत्तर-पश्चिमी कोने में है, तो स्पष्ट है कि वहां की जलवायु उष्ण मरुस्थलीय होगी ।
जलवायु की विभिन्नताओं के अतिरिक्त जलवायु व मिट्टियों के संबंधों अथवा किसी फसल के उत्पादन पर वर्षा का प्रभाव स्पष्ट करने के लिए भी क्लाइमोग्राफ बनाया जाते हैं ।

सन्दर्भ: प्रायोगिक भूगोल, रस्तोगी प्रकाशन, जे० पी० शर्मा